

इंदुकर पुं. (तत्.) चंद्रमा की किरण, चाँद की किरण, शशि किरण।

इंदुकला स्त्री. (तत्.) [इंदु+कला] चंद्रमा की कला, चंद्रमंडल का सोलहवाँ भाग 2. चंद्रमा की किरण 3. सोमलता 4. अमृत 5. गिलोय।

इंदुकलिका स्त्री. (तत्.) [इंदु+कलिका] केतकी, केवड़े का पौधा, चंद्रकला, इंदुकला।

इंदुकांत पुं. (तत्.) चंद्रकांत मणि, चंद्रमा की किरणें इस मणि को पिघला सकती हैं।

इंदुज पुं. (तत्.) इंदु से उत्पन्न, चंद्रमा का पुत्र, बुध ग्रह।

इंदुजनक पुं. (तत्.) [इंदु+जनक] 1. चंद्रमा के पिता, सागर 2. अत्रि ऋषि।

इंदुजा स्त्री. (तत्.) इंदु की पुत्री, नर्मदा नदी।

इंदुपुत्र पुं. (तत्.) चंद्रमा के पुत्र, बुध ग्रह, इंदुज।

इंदुभूषण पुं. (तत्.) चंद्रमा को अलंकार के रूप में धारण करने वाले, शिव, महादेव, चंद्रचूड़।

इंदुमंडल पुं. (तत्.) [इंदु+मंडल] चंद्रमा के ईद-गिर्द बनने वाला मंडल, चंद्रमा का घेरा।

इंदुमणि पुं. (तत्.) [इंदु+मणि] चंद्रकांत मणि, इंदु कांत।

इंदुमती स्त्री. (तत्.) 1. पूर्णिमा 3. महाराज अज की पत्नी (भगवान राम के पूर्वज)।

इंदुमौलि पुं. (तत्.) जिन के मस्तक पर चंद्रमा है, शिव, शंकर।

इंदुर पुं. (तत्.) चूहा, मूषक, मूसा।

इंदुरत्न पुं. (तत्.) मुक्ता, मोती, स्वाति नक्षत्र में समुद्र में स्थित सीप के भीतर निर्मित रत्न।

इंदुरेखा स्त्री. (तत्.) 1. चंद्रमा की कला 2. अमृता 3. गुडुची 4. सोमलता।

इंदुरेखा स्त्री. (तत्.) 1. चंद्रमा की कला 2. सोमलता 3. अमृता 4. गुडुची नामक औषधि।

इंदुव पुं. (तद्.) इंदीवर, नीलकमल।

इंदुवदना स्त्री. (तत्.) 1. चंद्रमा के समान सुंदर मुख वाली, चंद्रमुखी 2. 14 वर्णों का एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः भगण, जगण, सगण, नगण और दो गुरु होते हैं।

इंदुवल्ली स्त्री. (तत्.) 1. सोमलता, सोमवती 2. गुडुची, गिलोय 3. बाकुची।

इंदूर पुं. (तत्.) चूहा, मूषक, मूसा, इंदुर।

इंद्र पुं. (तत्.) 1. देवराज, वर्षा का देवता 2. पूर्व दिशा के स्वामी देवता 3. ऐश्वर्यमान, विभूतिसंपन्न 4. श्रेष्ठ, बड़ा (व्यक्ति) 5. छप्पय छंद का एक भेद।

इंद्रकांता स्त्री. (तत्.) 1. रात्रि, रात 2. केतकी, केवड़ा 3. रोहिणी नक्षत्र।

इंद्रगिरि पुं. (तत्.) [इंद्र+गिरि] उड़ीसा में स्थित समुद्र तटीय पर्वत, महेंद्र पर्वत।

इंद्रगुरु पुं. (तत्.) बृहस्पति ग्रह।

इंद्रगोप पुं. (तत्.) वर्षा ऋतु में दिखने वाला, रंगता हुआ लाल कीड़ा, बीरबहूटी।

इंद्रचाप पुं. (तत्.) दे. इंद्रधनुष।

इंद्रजब पुं. (तद्.) कुटज का बीज, इंद्रयव, इंद्रजौ।

इंद्रजाल पुं. (तत्.) 1. मायाकर्म, दृष्टि भ्रम, जादूगरी, हाथ की सफाई का काम, बाजीगरी 2. एक प्रकार का रण चातुर्य 3. अर्जुन का एक शस्त्र।

इंद्रजालिक वि. (तत्.) इंद्रजाल करने वाला, जादूगार, बाजीगर।

इंद्रजाली पुं. (तत्.) इंद्रजाल करने वाला, जादूगर, बाजीगर।

इंद्रजित पुं. (तत्.) इंद्र को जीतने वाला, रावण का पुत्र मेघनाद।

इंद्रजौ पुं. (तद्.) कुटज का बीज, इंद्रयव, इंद्रजव।

इंद्रदमन पुं. (तत्.) [इंद्र+दमन] इंद्र का दमन करने वाला, इंद्रजित रावण का पुत्र, मेघनाथ।

इंद्रधनुष पुं. (तत्.) सात रंगों में बना हुआ धनुष की आकृति का अर्धवृत्त जो वर्षाकाल में आकाश में सूर्य की विरुद्ध दिशा में तब दिखाई देता है जब सूर्य की किरणें वर्षा के जल के दूसरी तरफ होती हैं, जलबिंदुओं पर पड़ा प्रकाश परावर्तित और पुनः परावर्तित होकर स्पेक्ट्रम के सात रंगों में बदल जाता है और एक चाप-सा दिखाई पड़ता है।